बैंक हॉलिडे : जरूरी काम पहले निपटाएं

त्योहार और स्थानीय अवकाश में बैंक नहीं खुलेंगे

15-21 दिसंबर में कुछ राज्यों में बैंक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, 14 दिसंबर. आने वाले हफ्ते यानी 15 से 21 दिसंबर के बीच देशभर के बैंक कई दिनों के लिए बंद रहेंगे. ग्राहकों को अपने बैंकिंग कामों की योजना इस हिसाब से बनानी होगी. भारतीय रिजर्व बैंक की हॉलिडे लिस्ट के अनुसार, बैंक सामान्य रूप से रविवार के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं.

इसके अतिरिक्त राज्यों के स्थानीय त्योहार और विशेष अवसरों के कारण अलग-अलग दिन बैंक बंद रह सकते हैं. इस हफ्ते कुछ क्षेत्रों में विशेष अवकाश रहने वाला है. अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में पंचायती राज संस्थाओं और नगर पालिका के चुनाव के चलते सोमवार, 15 दिसंबर को बैंक बंद रहेंगे. वहीं, मेघालय के शिलॉन्ग में गुरुवार, 18 दिसंबर को यू सोसो थाम डेथ एनिवर्सरी के कारण बैंक बंद रहेंगे. गोवा के पणजी क्षेत्र में शुक्रवार, 19 दिसंबर को 'गोवा मुक्ति दिवस' के चलते बैंक बंद रहेंगे और गंगटोक में शनिवार, 20 दिसंबर को 'लोसूंग/नामसूंग' के अवसर पर अवकाश रहेगा. अगले हफ्ते 15 से 21 दिसंबर के बीच बैंक बंद रहने वाले हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक की हॉलिडे लिस्ट और राज्य आधारित छुट्टियों के अनुसार, ग्राहक अपने जरूरी बैंकिंग काम समय रहते निपटाएं. बैंक आमतौर पर रविवार के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं. विशेष अवसरों के कारण इस हफ्ते कुछ क्षेत्रों में अतिरिक्त अवकाश रहेगा. सोमवार, 15 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में पंचायती राज संस्थाओं और नगर पालिका चुनाव के चलते बैंक बंद रहेंगे.

शुक्रवार, 19 दिसंबर को गोवा के पणजी क्षेत्र में 'गोवा मुक्ति दिवस' के उपलक्ष्य में बैंक बंद रहेंगे. वहीं, शनिवार, 20 दिसंबर को गंगटोक में 'लोसूंग/नामसूंग' उत्सव के कारण बैंक बंद रहेंगे. इसके अलावा पूरे भारत में रविवार को सभी बैंक बंद रहेंगे. ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि छुट्टियों के दौरान किसी भी ब्रांच में जाने से पहले इसकी पुष्टि कर लें. हालांकि, छुट्टियों के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल या नेट बैंकिंग के माध्यम से बिल पेमेंट, पैसे ट्रांसफर, बैलेंस चेक जैसे काम आसानी से किए जा सकते हैं. लेकिन चेकबुक या पासबुक से जुड़ी समस्याओं, लॉकर, बड़े ट्रांजैक्शन, केवाईसी अपडेट आदि के लिए बैंक खुलने का इंतजार करना होगा.

सेल की बिक्री अप्रैल-नवंबर में 14 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर. भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड (सेल) की बिक्री चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीने में अप्रैल से नवंबर के दौरान 14 प्रतिशत बढ़कर 127 लाख टन पर पहुंच गयी. पिछले साल इसी अवधि में कंपनी की बिक्री 111 लाख टन रही थी. सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने बताया कि इस साल नवंबर में उसकी बिक्री 27 प्रतिशत बढ़ी. इसमें खुदरा बिक्री 69 प्रतिशत बढ़कर 1.4 लाख टन रही, जबकि पिछले वर्ष इसी माह में यह 0.84 लाख टन रही थी. कंपनी ने बताया कि यह वृद्धि विभिन्न उत्पाद श्रेणियों और वितरण चैनलों में उल्लेखनीय प्रदर्शन से संभव हुई, जिनमें घरेलू बिक्री योग्य उत्पाद, रोड डिस्पैच और वेयरहाउस से डोर डिलीवरी शामिल हैं.

सेल SAIL

एआई प्रतिस्पर्धा में भारत तृतीय स्थान पर

78.6 अंक के साथ अमेरिका पहले स्थान पर | **36.95** अंक के साथ चीन दूसरे स्थान पर | **21.59** अंक के साथ भारत तीसरे पर

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर. भारत एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है. स्टैनफोर्ड यूनीवर्सिटी की वैश्विक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है.

इस रिपोर्ट में भारत को 21.59 अंक दिये गये हैं. अमेरिका 78.6 अंक के साथ पहले स्थान पर है. वहीं, चीन 36.95 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. दक्षिण कोरिया (17.24) और ब्रिटेन (16.64 अंक) भारत के बाद क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर हैं. रिपोर्ट में अनुसंधान एवं विकास में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है. जिम्मेदार एआई और अर्थव्यवस्था के पैमानों पर भारत को शीर्ष तीन में जगह नहीं दी गयी है. प्रतिभा के मामले में भारत को सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है. बुनियादी ढांचा और नीति एवं प्रशासन के मामले में भी भारत को पहले तीन में स्थान नहीं मिला है.

लोगों की सोच के मामले में भारत दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर है. रिपोर्ट से साफ है कि प्रतिभा, अनुसंधान एवं विकास और जन स्वीकार्यता के बावजूद देश में एआई को लेकर नीति निर्माण, नियम कानून और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में काफी काम करने की आवश्यकता है.

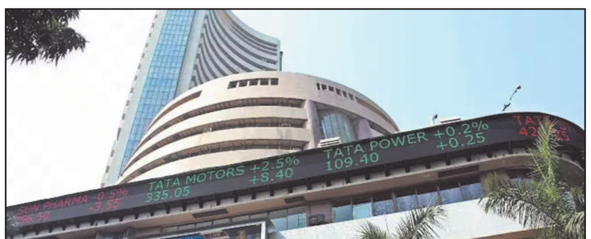

बाजार पर महंगाई के आंकड़ों पर वैश्विक कारकों का असर

30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 444.71 अंक

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाल निशान में रहे

मुंबई, 14 दिसंबर. घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में बाजार पर महंगाई के आंकड़ों के साथ वैश्विक कारकों का असर भी दिख सकता है. घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किये गये थे. थोक महंगाई के आंकड़े सोमवार को जारी होने हैं.

बाजार पर वैश्विक कारकों का असर भी दिखेगा. पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक पहले तीन दिन की गिरावट के बाद अंतिम दो दिन बढ़त में रहे. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 444.71 अंक (0.52 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 85,267.66 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 139.50 अंक यानी 054 प्रतिशत गिरकर 26,046.95 अंक पर रहा. एनएसई का मिडकैप-50 सूचकांक 0.61 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.67 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट में बंद हुआ.

सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाल निशान में और अन्य 12 के हरे निशान में रहे. एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 6.80 प्रतिशत की गिरावट रही. बीईएल का शेयर 4.25 फीसदी, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 3.33, बजाज फाइनेंस का 2.96, ट्रेंट का 2.78 और पावर ग्रिड का 2.28 प्रतिशत टूट गया. आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.87 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 1.71, भारती एयरटेल 1.16, इंफोसिस तथा आईटीसी दोनों के 1.06, और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.01 प्रतिशत उतर गया.

घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बीच पिछले सप्ताह बीएसई की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 79,129 करोड़ रुपये घट गया. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के एमकैप में सप्ताह के दौरान वृद्धि हुई है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी का सम्मिलित एमकैप 25,345 करोड़ रुपये बढ़ गया.

एफपीआई ने पूंजी बाजार से निकाले 24,936 करोड़

मुंबई, 14 दिसंबर. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 24,936 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है.

सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने दिसंबर में शुद्ध रूप से 17,955 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची. इसके अलावा उन्होंने 7,585 करोड़ रुपये के डेट बेचे. वहीं, हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 191 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया. म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे और 270 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की. लगातार दो महीने शुद्ध रूप से लिवाल रहने के बाद एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली की है. नवंबर में उन्होंने 4,114 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था. बाजार के जानकारों में कहना है कि रुपये में जारी गिरावट के कारण एफपीआई बाजार से पैसा निकाल रहे हैं. स्थानीय मुद्रा के कमजोर पड़ने की स्थिति में यह आम बात है. इस कैलेंडर वर्ष में एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार से 70,187 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं. इसमें सबसे ज्यादा बिकवाली इक्विटी में देखने को मिली है.

हांगकांग ने एशिया में फंड जुटाने में बनाया रिकॉर्ड

इस तेजी के पीछे चीनी कंपनियों की बड़ी डील और निवेशकों का भरोसा है

हांगकांग/नई दिल्ली, 14 दिसंबर. हांगकांग ने फंड जुटाने के मामले में चीन और भारत को पीछे छोड़ते हुए एशिया का नंबर वन शेयर बाजार बन गया है. इस साल हांगकांग के शेयर बाजार में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग, प्लेसमेंट और ब्लॉक ट्रेड के जरिए 73 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाए गए.

2013 के बाद यह पहला मौका है जब हांगकांग इस मामले में शीर्ष पर पहुंचा है. विशेषज्ञों का कहना है कि इस तेजी के पीछे चीनी कंपनियों की बड़ी डील और निवेशकों का भरोसा प्रमुख कारण है. उदाहरण के लिए, बैटरी निर्माता ने 5.3 बिलियन डॉलर जुटाए, वहीं बीवाईडी और क्सिओमि ने भी 5 बिलियन डॉलर से अधिक की पूंजी हासिल की. हांगकांग में लगभग 300 कंपनियां अपने आईपीओ की कतार में हैं, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ रही है. एशिया में फंड जुटाने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है. भारत में भी आईपीओ और ब्लॉक ट्रेड के जरिए निवेशकों ने रिकॉर्ड राशि जुटाई. घरेलू म्यूचुअल फंड और खुदरा निवेशकों की भागीदारी ने भारतीय बाजार की मजबूती को दर्शाया है. हांगकांग ने इस साल फंड जुटाने के मामले में चीन और भारत को पीछे छोड़ते हुए एशिया में नंबर एक शेयर बाजार बनकर इतिहास रचा है. इस वर्ष हांगकांग के शेयर बाजार में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग, प्लेसमेंट और ब्लॉक ट्रेड के माध्यम से कुल 73 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाए गए. यह 2013 के बाद हांगकांग के लिए पहली बार हुआ है.

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तेजी का मुख्य कारण चीनी कंपनियों की बड़ी डील और निवेशकों का बढ़ता भरोसा है. उदाहरण के लिए, बैटरी निर्माता सीएटीएल ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लिस्टिंग में 5.3 बिलियन डॉलर जुटाए. इसके अलावा इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता बीवाईडी और स्मार्टफोन निर्माता क्सिओमि ने भी 5 बिलियन डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाई.

एशिया में दूसरे नंबर पर भारत है, जहां भी फंड जुटाने के मामले में रिकॉर्ड तोड़ डील मेकिंग देखी गई. घरेलू म्यूचुअल फंड और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने आईपीओ बाजार को लगातार दूसरे साल रिकॉर्ड बनाने में मदद की. भारत में 20 बिलियन डॉलर से अधिक की राशि जुटाई गई और मौजूदा शेयरधारकों ने ब्लॉक ट्रेड के जरिए अपनी होल्डिंग्स बेचकर बाजार की गहराई और लचीलेपन को साबित किया. विश्लेषकों के मुताबिक, हांगकांग और भारत दोनों ही निवेशकों के लिए आकर्षक बन गए हैं. जबकि हांगकांग वैश्विक स्तर पर अमेरिका के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है, भारत ने एशिया में दूसरे नंबर का स्थान बनाए रखा है. आने वाले महीनों में दोनों बाजारों में निवेश और फंड जुटाने की गतिविधियों में और तेजी आने की संभावना है.

सोना 720 और चांदी 510 रुपए महंगी

एक हफ्ते में दोनों की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज

भोपाल/नई दिल्ली, 14 दिसंबर. देशभर में सोने-चांदी के बाजारों में तेजी का रुख लगातार जारी है. पिछले एक हफ्ते में दोनों की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

राजधानी भोपाल के सराफा बाजार में आज 24 कैरेट सोने के भाव 133,710 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गए, जो पिछले दिन 132,990 रुपए थे. वहीं चांदी का भाव भी 192,310 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया, जो बीते दिन 191,800 रुपए था. विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में सोने और चांदी की बढ़ती मांग, डॉलर की कमजोरी और निवेशकों की सुरक्षित निवेश की चाह ने इन धातुओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है.

सोना येलो मेटल कहलाने के बावजूद निवेश के लिहाज से सुरक्षित विकल्प माना जाता है, जबकि चांदी में भी निवेशकों की रुचि बढ़ रही है. गहने खरीदते समय हॉलमार्क की जांच बेहद जरूरी है, ताकि मिलावट और नकली सोने से बचा जा सके. इस तेजी के बीच निवेशक और ग्राहक दोनों इस बात पर नजर बनाए हुए हैं कि चांदी का भाव ?2 लाख प्रति किलो पार कर सकता है या नहीं. देशभर में सोने और चांदी के बाजारों में आज जोरदार तेजी देखी गई.

गेहूं, चीनी मजबूत चावल नरम

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये. ग्राहकी आने से गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 67 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल रही. गेहूं चार रुपये चढ़कर 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. आटा 18 रुपये की बढ़त के साथ 3,307.09 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. बीते सप्ताह मूंगफली तेल 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ.

एसबीआई के कर्ज आज से सस्ते

ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की घोषणा

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर. सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋण दाता भारतीय स्टेट बैंक ने आवास और निजी ऋण लेने वाले ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की घोषणा की है.

दरों में कटौती 15 दिसंबर से प्रभावी हो जायेंगे. बैंक की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि उसने बाहरी बेंचमार्क पर आधारित दर (ईबीएलआर) में 25 आधार अंकों की कटौती की है. यह मौजूदा 8.15 प्रतिशत से घटकर सोमवार से 7.90 प्रतिशत हो जायेगी. ईबीएलआर वह दर है जो फ्लोटिंग दर पर लिये गये हर ऋण की ब्याज दर तय करता है. अधिकतर आवास ऋण, व्यक्तिगत ऋण और छोटे उद्यमों को दिये गये ऋणों की ब्याज दर इसी आधार पर तय होती है. एसबीआई ने यह कटौती भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 05 दिसंबर को रेपो दर में की गयी 25 आधार अंकों की कटौती के बाद की है.

समाचार विशेष

मायावती के बनाए रास्ते पर चली सपा

अब भाजपा भी उसी पिच पर खेल रही सियासी गेम

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर मूर्तियां और पार्क चर्चा के केंद्र में हैं. पहले बहुजन समाज पार्टी की सरकार में स्मारक मॉडल, फिर समाजवादी पार्टी का लोहिया और जनेश्वर मिश्रा पार्क और अब भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्र प्रेरणा स्थल. इसके जरिए बीजेपी अब अपनी राजनीतिक विरासत गढ़ने में जुटी है. उत्तर प्रदेश जहां सत्ता बदली, तो पहचान की राजनीति भी बदली.

मायावती के दौर में हाथी पार्क, कांशीराम स्मारक और दलित प्रतीकों की भव्य मूर्तियां बनीं. इसके बाद समाजवादी पार्टी ने लखनऊ में लोहिया पार्क, जनेश्वर मिश्रा पार्क के जरिए विकास और समाजवाद का संदेश दिया और अब बीजेपी सरकार अटल, दीनदयाल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर विशाल स्मारक और प्रेरणा स्थल बना रही है.

2027 के चुनावों पर पड़ेगा असर?

वरिष्ठ पत्रकार विजय दुबे ने कहा कि बीजेपी 2027 चुनावों को देखते हुए अपनी राजनीति की जमीन मजबूत करने में जुट गई है. अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय जैसे नेताओं को केंद्र में रखकर पार्टी अपनी विचारधारा को आगे बढ़ा रही है. स्मारक और प्रेरणा स्थलों के जरिए वोटरों तक संदेश देने की रणनीति बनाई जा रही है. यूपी की राजनीति में मूर्तियां अब सिर्फ पत्थर और कांस्य की नही, बल्कि सत्ता की पहचान बन चुकी हैं.

एसआईआर : मुस्लिमों को गुमराह कर रहे अखिलेश

बरेली. ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर एसआईआर प्रक्रिया के बारे में मुसलमानों को गुमराह करने के आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि सीएए और एनआरसी के समय भी समाजवादी पार्टी के नेताओं ने मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर उन्हें डराया था.

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को सही करने के लिए एसआईआर प्रक्रिया का खाका जारी किया. इसमें सरकार के हजारों कर्मचारियों ने काम किया और इसे अंजाम तक पहुंचाया. सपा प्रमुख अखिलेश यादव कहते हैं कि इसमें हिंदू मुस्लिम किया जा रहा है और वोट को काटा जा रहा है. जबकि चुनाव आयोग का मकसद वोटर लिस्ट को सही करना है. लेकिन अखिलेश यादव ने इसमें भी हिंदू-मुस्लिम का एंगल ढूंढ लिया. मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने अखिलेश यादव के एसआईआर में मुस्लिम वोट काटने के आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया.

बीजेपी के गढ़ बोरीवली में सेंध लगाना चुनौती

मुंबई. मुंबई की राजनीति में बोरीवली विधानसभा को बीजेपी का अभेद्य किला माना जाता है. लोकसभा, विधानसभा और बीएमसी तीनों ही स्तर पर यहां पार्टी का दबदबा कायम रहा है.

चुनावों में बीजेपी को लगातार मिलते समर्थन ने इस इलाके को उसका गढ़ बना दिया है. ऐसे में आगामी बीएमसी चुनाव में उद्धव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के लिए इस किले में सेंध लगाना आसान नहीं होगा. हालांकि, राज ठाकरे का साथ मिलने से मुकाबला दिलचस्प हो सकता है और उद्धव सेना को उम्मीद है कि इस बार वे बीजेपी को कड़ी टक्कर दे पाएंगे.

राज्य में निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है और जनवरी में बीएमसी चुनाव होने की संभावना है. औपचारिक घोषणा अभी बाकी है. सभी दलों के संभावित उम्मीदवारों ने तैयारी शुरू कर दी है. क्षेत्र में पोस्टर- बैनर, घर-घर संपर्क और कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ चुकी है. बीएमसी चुनाव में बोरीवली का हर वॉर्ड हमेशा से बीजेपी के लिए मजबूत स्तंभ रहा है. अब देखना यह होगा कि ठाकरे बंधु अपने साझा प्रभाव से इस परंपरागत किले में कितनी सेंध लगा पाते है. मुकाबला इस बार पहले से कहीं अधिक रोचक होने वाला है.

छह सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित श्रेणी में- इस बार बोरीवली विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं का दबदबा रहने वाला है. सात में से छह सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित है. सीट नंबर 14 और 18 ओबीसी महिला आरक्षित है, जबकि 14, 15, 16 और 17 सामान्य महिला आरक्षित है. ऐसे में कई मौजूदा पुरुष वरिष्ठ नेताओ को टिकट नही मिलेगा और नए चेहरो के उभरने की संभावना है.

अब भी बीजेपी का ही दबदबा कायम

पिछले आठ वर्षों में हुए चुनावों ने भी साबित किया है कि बोरीवली की जनता का भरोसा बीजेपी से कम नहीं हुआ है. 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने अपने पुराने, लोकप्रिय सांसद गोपाल शेट्टी की जगह केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को मैदान में उतारा था. उम्मीदवार बदला, लेकिन जनता का मत नही. गोयल 6.80 लाख मतों के अपार अंतर से विजयी हुए. इसके बाद 2024 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने संजय उपाध्याय को टिकट दिया. विपक्ष ने उन्हें गैर-स्थानीय कहकर प्रचार किया, लेकिन जनता ने यह मुद्दा नकारते हुए उपाध्याय को 1,39,947 मतों से रिकॉर्ड जीत दिलाई. वही, उद्धव सेना के उम्मीदवार को सिर्फ 39,690 मत मिले, जो बीजेपी के जनाधार की मजबूती को दर्शाता है.

विशेष | निकाय चुनाव के बाद महाराष्ट्र में फिर बड़े खेला का दावा, एक होंगे चाचा-भतीजे

सुप्रिया सुले केंद्र में बनेंगी मंत्री!

मुंबई/नागपुर. महाराष्ट्र की राजनीति 2019 के बाद अप्रत्याशित रही है. वो सब हुआ है जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी. अब महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के बाद के बाद राज्य में बड़े राजनीतिक उलटफेर की संभावना जताई जा रही है.

चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय के दावे किए जा रहे हैं. अजित पवार के एक करीबी साथी का कहना है कि अगले साल पार्टी में बहुत बड़ा परिवर्तन होगा. दोनों पवार मिलकर महाराष्ट्र में एक नई राजनीति ताकत बनकर साथ सामने आएंगे. गौरतलब हो कि उद्धव ठाकरे सरकार के पतन के बाद पवार की पार्टी में विभाजन हो गया था. शरद पवार के भतीजे अजित पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महायुति सरकार में शामिल हो गए. चाचा शरद पवार कांग्रेस के नेतृत्व वाली महाविकास में शामिल हो गए. चाचा-भतीजे के बीच विभाजन बहुतों को रास नहीं आया, लेकिन जो अजित पवार के साथ गए उनमें ज्यादातर मंत्री बन गए.

तब माना गया था बड़े पवार का दांव- उस वक्त एनसीपी के विभाजन को कई लोगों ने शरद पवार की राजनीति चाल करार दिया था. पार्टी में विभाजन के बाद लगातार मांग उठती रही कि पवार की पार्टी को एक हो जाना चाहिए. विभाजन के बाद चाचा-भतीजे किसी न किसी बहाने लगातार मिलते रहे. दोनों के बीच चर्चा होती रही. पिछले साल विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद दोनों एनसीपी के विलय के चर्चा उठी, लेकिन उस वक्त नहीं हो सका. स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान चाचा-भतीजे के बीच दूरियां कम हुई. इस बीच परिवार में कई सारे समारोह का आयोजन हुआ जिसमें परिवार के सदस्य एक साथ आए. समारोह के दौरान भी चाचा-भतीजे को एक हो जाने का दबाव था.

रवि राणा का बड़ा दावा- अमरावती जिले के बडनेरा विधानसभा के निर्दलीय विधायक रवि राणा दावे के साथ कहते हैं कि बीएमसी चुनाव के बाद दोनों एनसीपी का मर्जर तय है. शरद पवार का तबियत साथ नहीं दे रहा है. वे (शरद पवार) चाहते थे कि स्थानीय निकाय के चुनावों में दोनों एनसीपी मिलकर लड़े. और कई जगह के निकाय चुनावों में दोनों एनसीपी ने मिलकर लड़ा भी. अब चुनाव नतीजों का इंतजार किया जा रहा है.

विवाद में मिला साथ

उपमुख्यमंत्री रहते हुए अजित पवार कई सारे विवादों फंसे. उनका साथ देने के लिए सुप्रिया सुले साथ आईं. हाल में अजित पवार के बेटे पार्थ जमीन घोटाले में बुरी तरह से फंस गए थे. गए थे. तब शरद पवार की सांसद बेटी सुप्रिया सुले ने पार्थ और अजित पवार का बचाव किया था. उससे पहले सोलापुर में महिला आईपीएस अधिकारी को फोन पर अजित पवार ने डांटा था जिसे लेकर उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था. तब भी सुप्रिया सुले ने बचाव किया था.